तुरंत जारी करने हेतु

(प्रेस विज्ञप्ति सं. 22/2019)

प्रेस के लिए सूचना नोट

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 20 मार्च, 2019

(www.trai.gov.in)

31 जनवरी, 2019 को समाप्त मासिक अवधि के अनुसार दूरसंचार उपभोक्ता डाटा से संबंधित मुख्य झलकियां

विवरण	वायरलैस	वायरलाइन	कुल (वायरलैस + वायरलाइन)
टेलीफोन उपभोक्ताओं की कुल संख्या (मिलियन में)	**1181.97**	**21.79**	**1203.77**
जनवरी, 2019 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	5.97	-0.07	5.90
मासिक वृद्धि दर	0.51%	-0.34%	0.49%
शहरी टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**654.20**	**18.71**	**672.91**
जनवरी, 2019 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	6.68	-0.05	6.63
मासिक वृद्धि दर	1.03%	-0.24%	1.00%
ग्रामीण टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**527.77**	**3.08**	**530.86**
जनवरी, 2019 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	-0.70	-0.03	-0.73
मासिक वृद्धि दर	-0.13%	-0.93%	-0.14%
समग्र दूरसंचार–घनत्व *	**90.15**	**1.66**	**91.82**
शहरी दूरसंचार–घनत्व*	156.85	4.49	161.34
ग्रामीण दूरसंचार–घनत्व*	59.04	0.34	59.38
शहरी उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	55.35%	85.86%	55.90%
ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	44.65%	14.14%	44.10%
ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**521.77**	**18.27**	**540.04**

- जनवरी, 2019 के माह में 5.84 मिलियन उपभोक्ताओं ने मोबाइल नम्बर पोर्टिबिलिटी (एमएनपी) हेतु अपने अनुरोध दर्ज करवाए हैं। इसके साथ ही एमएनपी आरंभ होने के तिथि से दिसंबर, 2018 के अंत तक संचयी एमएनपी अनुरोध 411.98 मिलियन से बढ़कर जनवरी, 2019 के अंत तक 417.82 मिलियन हो गया।

- जनवरी, 2019 के अंत तक सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं (अधिकतम वीएलआर# की तिथि पर) की संख्या 1,022.58 मिलियन थी।

नोट :

– इस प्रेस विज्ञप्ति में उपलब्ध कराई गई जानकारी सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर आधारित है।

* महापंजीयक तथा भारतीय जनगणना आयुक्त के कार्यालय द्वारा प्रकाशित किए गए जनगणना के आंकड़ों से लगाए गए जनसंख्या के अनुमान पर आधारित।

\# विजिटर लोकेशन रजिस्टर का संक्षिप्ताक्षर वीएलआर है। विभिन्न टीएसपी हेतु अधिकतम वीएलआर की तिथि, विभिन्न सेवा क्षेत्रों में अलग–अलग है।

I. कुल टेलीफोन उपभोक्ता

- दिसंबर, 2018 के अंत तक देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,197.87 मिलियन से बढ़कर जनवरी, 2019 के अंत तक 1,203.77 हो गई जिसमें मासिक वृद्धि दर 0.49 प्रतिशत दर्ज की गयी। दिसंबर, 2018 के अंत तक शहरी उपभोक्ताओं की संख्या 666.28 मिलियन से बढ़कर जनवरी, 2019 के अंत तक 672.91 मिलियन हो गई, जबकि इसी अवधि के दौरान ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या 531.59 मिलियन से घटकर 530.86 मिलियन हो गई। जनवरी, 2019 माह के दौरान शहरी और ग्रामीण उपभोक्ताओं की मासिक वृद्धि दर क्रमशः 1.00 प्रतिशत तथा –0.14 प्रतिशत रही।

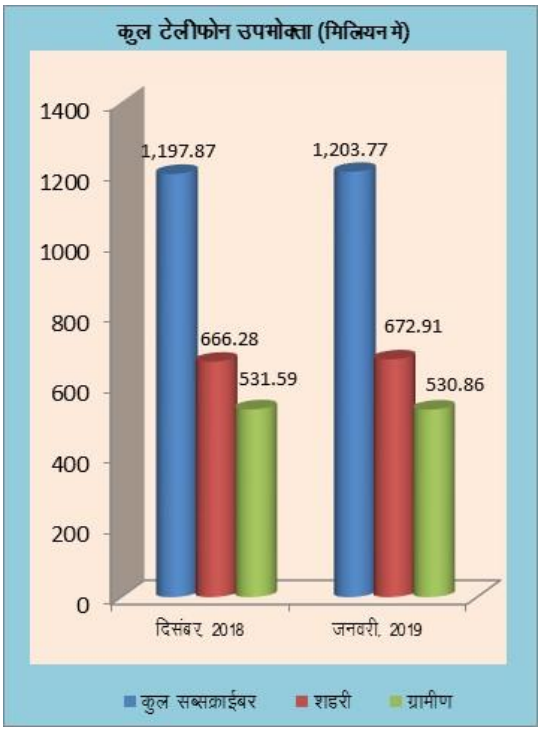

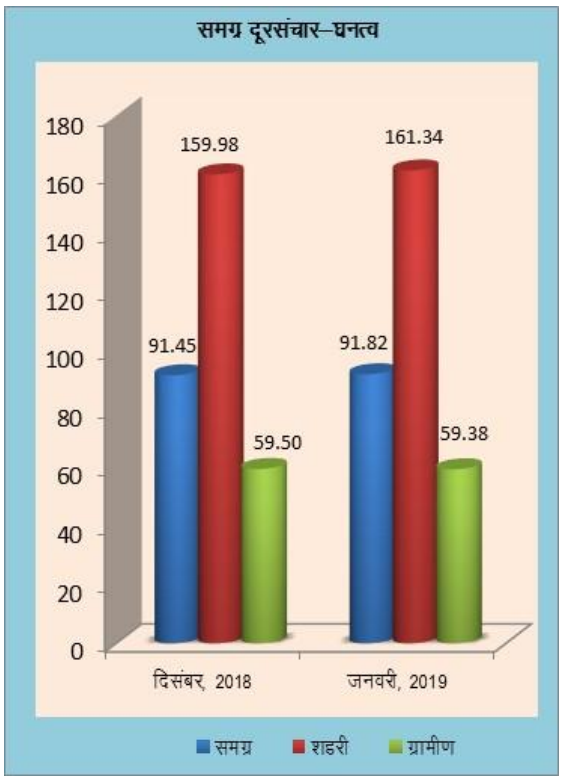

- दिसंबर, 2018 के अंत तक देश में समग्र दूरसंचार घनत्व 91.45 से बढ़कर जनवरी, 2019 के अंत तक 91.82 हो गया। शहरी दूरसंचार घनत्व दिसंबर, 2018 के अंत तक 159.98 से बढ़कर जनवरी, 2019 के अंत तक 161.34 हो गया, जबकि ग्रामीण दूरसंचार घनत्व दिसंबर, 2018 के अंत तक 59.50 से घटकर जनवरी, 2019 के अंत तक 59.38 हो गया। जनवरी, 2019 के अंत तक शहरी और ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी कुल टेलिफोन उपभोक्ताओं की संख्या में क्रमशः 55.90 प्रतिशत तथा 44.10 प्रतिशत थी।

दिनांक 31 जनवरी, 2019 की स्थिति के अनुसार समग्र दूरसंचार–घनत्व (सेवाक्षेत्र/राज्यवार)

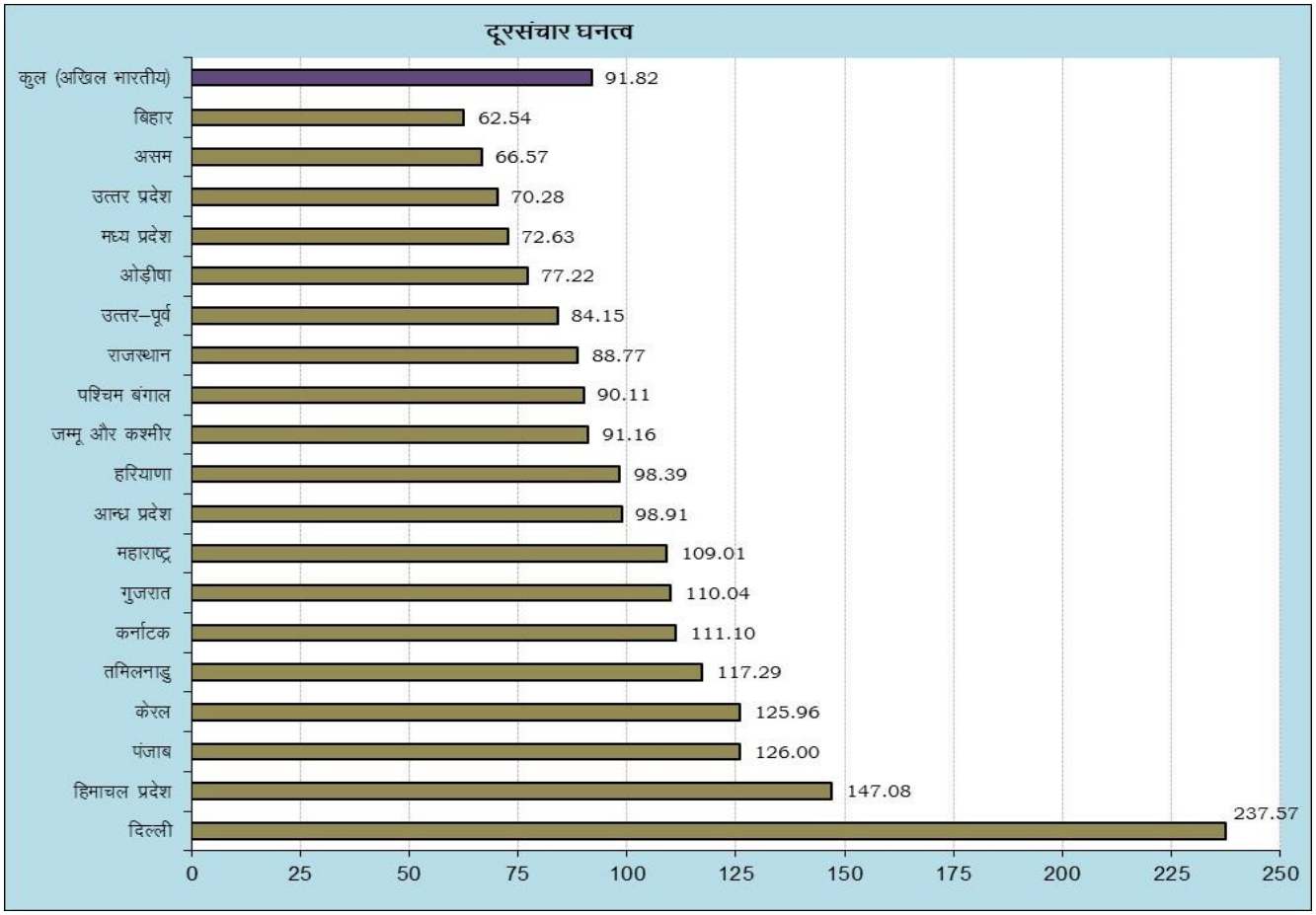

- जनवरी, 2019, 2018 के अंत में दिल्ली सेवा क्षेत्र में अधिकतम टेलि–घनत्व 237.57 रहा जबकि इसी दौरान बिहार सेवा क्षेत्र में न्यूनतम टेलि–घनत्व 62.54 रहा।

नोट :

1. जनसंख्या आंकड़े/अनुमान केवल राज्यवार ही उपलब्ध हैं।
2. दूरसंचार घनत्व के आंकड़ों को टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों तथा भारत के महापंजीयक तथा जनगणना आयुक्त के कार्यालय द्वारा प्रकाशित जनसंख्या के अनुमानों के आधार पर गणना की गई है।
3. दिल्ली के लिए टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों में दिल्ली राज्य के आंकड़ों के अलावा, गाजियाबाद, और नोएडा (उत्तर प्रदेश में स्थित) तथा गुड़गांव और फरीदाबाद (हरियाणा में स्थित) के स्थानीय एक्सचेजों के दायरे में आने वाले क्षेत्रों हेतु वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़े शामिल हैं।
4. पश्चिम बंगाल में कोलकाता, महाराष्ट्र में मुंबई, तमिलनाडू में चेन्नई तथा उत्तर प्रदेश में उ0प्र0(पूर्व) एवं उ0प्र0(पश्चिम) सेवा क्षेत्रों की सूचनायें शामिल है।
5. ऑंध्र प्रदेश में तेलंगाना, बिहार में झारखंड, मध्य प्रदेश में छत्तीशगढ़, महाराष्ट्र में गोवा, उत्तर प्रदेश में उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल में सिक्किम तथा उत्तर–पूर्व में अरूणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजारम, नागालैंड एवं त्रिपुरा राज्यों को शामिल किया गया है।

II. श्रेणीवार वृद्धि

जनवरी, 2019 माह में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

सेवा क्षेत्र श्रेणी	जनवरी, 2019 के माह में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता		दिनांक 31 जनवरी, 2019 की स्थिति के अनुसार उपभोक्ताओं की संख्या	
	वायरलाइन	वायरलेस	वायरलाइन	वायरलेस
श्रेणी – क	-28,733	1,383,087	8,581,461	405,631,060
श्रेणी – ख	-33,200	2,087,819	5,429,220	481,458,548
श्रेणी – ग	-11,597	1,512,584	911,364	178,155,053
महानगर	-703	991,073	6,871,913	116,727,052
अखिल भारतीय	**-74,233**	**5,974,563**	**21,793,958**	**1,181,971,713**

जनवरी, 2019 माह में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक एवं वार्षिक प्रतिशत वृद्धि दर

सेवा क्षेत्र श्रेणी	मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (दिसंबर, 2018 से जनवरी, 2019 तक)		वार्षिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (जनवरी, 2018 से जनवरी, 2019 तक)	
	वायरलाइन	वायरलेस	वायरलाइन	वायरलेस
श्रेणी – क	-0.33	0.34	-6.02	0.70
श्रेणी – ख	-0.61	0.44	-7.22	5.24
श्रेणी – ग	-1.26	0.86	-12.51	2.28
महानगर	-0.01	0.86	-2.46	-0.61
अखिल भारतीय	**-0.34**	**0.51**	**-5.53**	**2.61**

नोट : सेवाक्षेत्र श्रेणी महानगर में दिल्ली, मुंबई और कोलकाता शामिल हैं। चेन्नई के आंकड़ों को तमिलनाडु के भाग के रूप में सेवाक्षेत्र श्रेणी 'क' में सम्मिलित किया गया है।

- जैसा कि उपर्युक्त तालिकाओं में देखा जा सकता है कि जनवरी, 2019 माह के दौरान वायरलेस क्षेत्र में सभी श्रेणियों के सेवा क्षेत्रों में निबल उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक आधार पर निबल वृद्धि दर्ज की गई है। हालांकि इसी दौरान वार्षिक आधार पर महानगर श्रेणी के सेवा क्षेत्रों में निबल उपभोक्ताओं की संख्या में निबल कमी दर्ज की गई है।

- वायरलाइन क्षेत्र में, जनवरी, 2019 माह के दौरान सभी श्रेणियों के सेवा क्षेत्रों में मासिक तथा वार्षिक, दोनों आधार पर उपभोक्ताओं की संख्या में निबल कमी दर्ज की गई है।

III. वायरलेस टेलीफोन उपभोक्ता

- दिसंबर, 2018 के अंत तक कुल वायरलेस टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,176.00 मिलियन से बढ़कर जनवरी, 2019 के अंत तक 1,181.97 मिलियन हो गई तथा मासिक वृद्धि दर 0.51 प्रतिशत दर्ज की गई। शहरी क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या दिसंबर, 2018 के अंत तक 647.52 मिलियन से बढ़कर जनवरी, 2019 के अंत तक 654.20 मिलियन हो गई, जबकि इसी अवधि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या 528.48 मिलियन से घटकर 527.77 मिलियन हो गई। इस माह के दौरान शहरी और ग्रामीण वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक वृद्धि दर क्रमशः 1.03 प्रतिशत तथा –0.13 प्रतिशत रही।

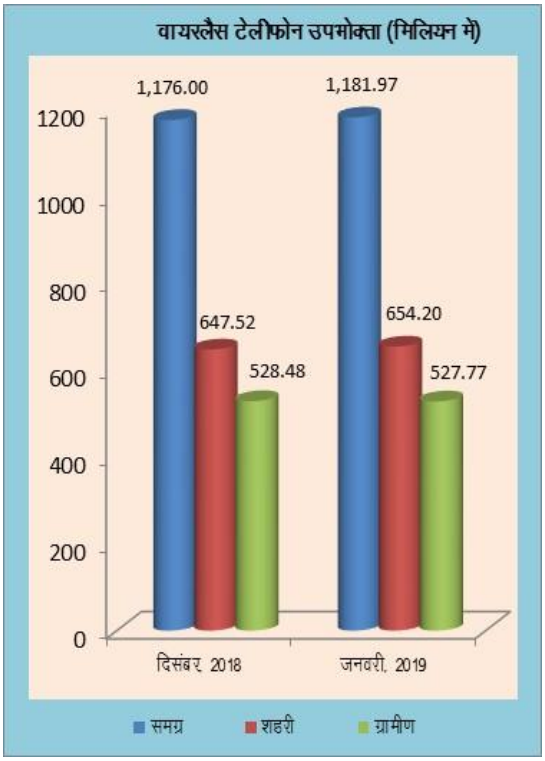

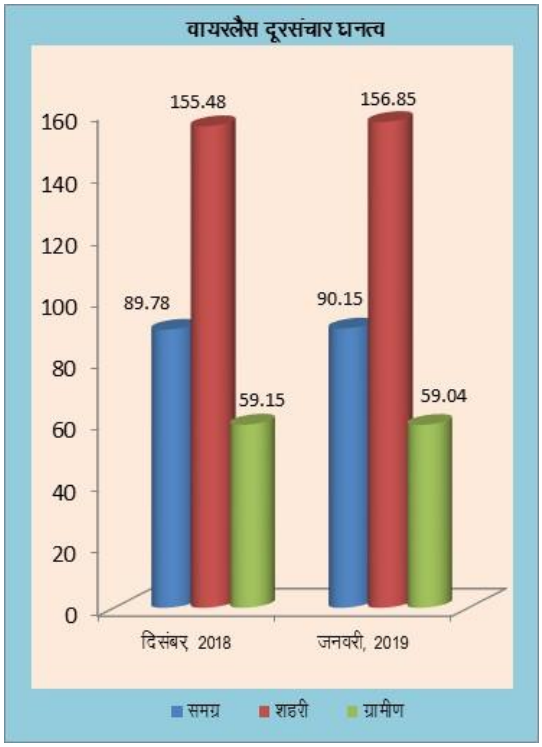

- दिसंबर, 2018 के अंत तक वायरलेस दूरसंचार घनत्व 89.78 से बढ़कर जनवरी, 2019 के अंत तक 90.15 हो गया। शहरी क्षेत्रों में दिसंबर, 2018 के अंत में वायरलेस दूरसंचार घनत्व 155.48 से बढ़कर जनवरी, 2019 के अंत में 156.85 हो गया, जबकि इसी दौरान ग्रामीण वायरलेस दूरसंचार घनत्व 59.15 से घटकर 59.04 हो गया। जनवरी, 2019 के अंत तक शहरी तथा ग्रामीण वायरलेस उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में क्रमशः 55.35 प्रतिशत तथा 44.65 प्रतिशत थी। वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का विस्तृत आंकड़ा अनुलग्नक–I में उपलब्ध हैं।

- दिनांक 31 जनवरी, 2019 की स्थिति के अनुसार, निजी सेवा प्रदाताओं के पास वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 89.95 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी जबकि दो सार्वजनिक क्षेत्रों के टेलिफोन सेवा प्रदाताओं नामतः बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास केवल 10.05 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी।

- वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में बाजार हिस्सेदारी तथा वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में निवल नए ग्राहकों के शामिल होने को रेखाचित्र के रूप में नीचे प्रदर्शित किया गया है:–

दिनांक 31 जनवरी, 2019 की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलेस उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

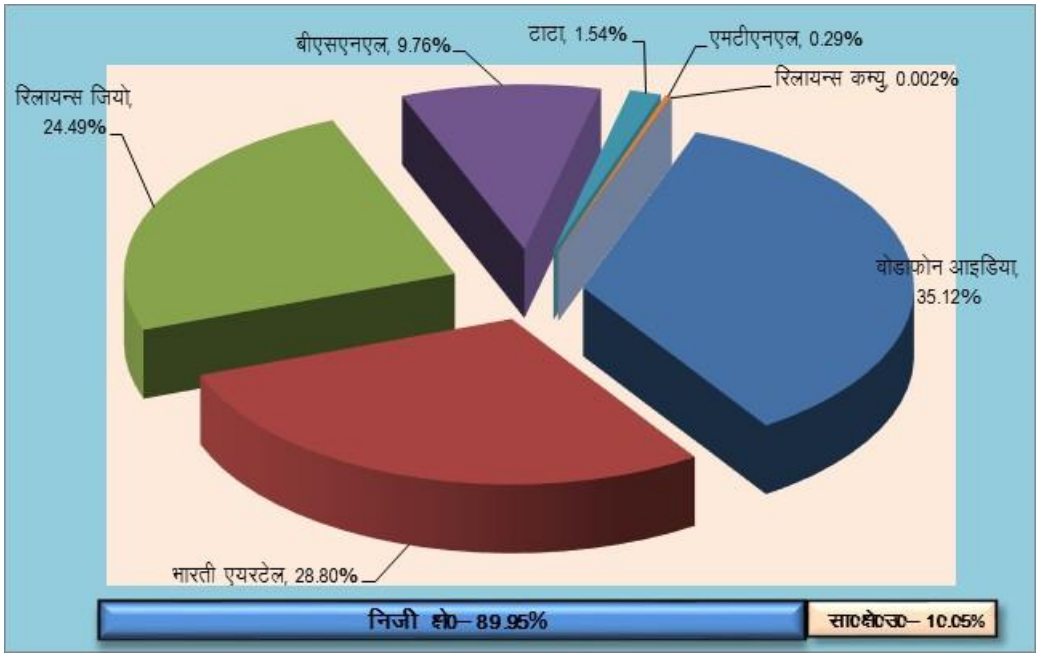

जनवरी, 2019 के माह के दौरान टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

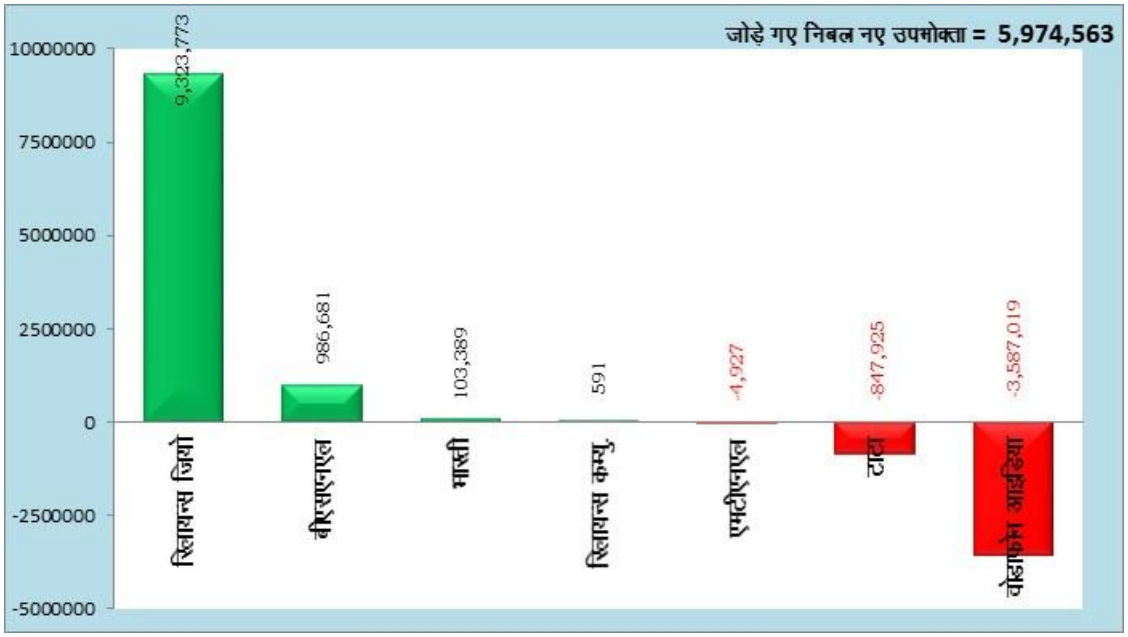

नोट – 1. ऐसा संज्ञान में आया कि कुछ दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के द्वारा निष्क्रिय उपभोक्ताओं की संख्याओं को घटाकर शेष उपभोक्ताओं की संख्याओं को रिपोर्ट किया जाता था। प्राधिकरण के द्वारा दिनांक 18.08.2017 को एक निर्देश जारी किया गया है कि सभी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को अपने उपभोक्ताओं की संख्या का निर्धारण दूरसंचार विभाग के द्वारा दिये गये नियमों के अनुसार करना है तथा तदनुसार रिपोर्ट करनी है। हालांकि कुछ दूरसंचार सेवा प्रदाताओं ने अभी तक इसका अनुपालन नहीं किया है।

2. बीएसएनएल के वर्चुअल नेटवर्क ऑपरेटर ने अक्टूबर, 2018 माह सें अपने उपभोक्ताओं की संख्या को रिपोर्ट किया है जिसे इस रिपोर्ट में मेसर्स बीएसएनसल के उपभोक्ताओं की संख्या में शामिल किया गया है।

IV. सक्रिय वायरलेस उपभोक्ता (वीएलआर आंकड़े)

- जनवरी, 2019 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर कुल वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या (1,181.97 मिलियन) में से 1,022.58 मिलियन वायरलेस उपभोक्ता सक्रिय थे। कुल उपभोक्ताओं की संख्या की तुलना में सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं का अनुपात लगभग 86.51 प्रतिशत था।

- जनवरी, 2019 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं (जिसे वीएलआर उपभोक्ता भी कहा जाता है) के अनुपात के विस्तृत आंकड़े अनुलग्नक–**II** में उपलब्ध हैं तथा वीएलआर उपभोक्ताओं की संख्या की जानकारी प्रदान करने हेतु उपयोग की गई पद्धति अनुलग्नक– **IV** में उपलब्ध है।

जनवरी, 2019 माह के दौरान का टेलीफोन सेवा प्रदातावार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

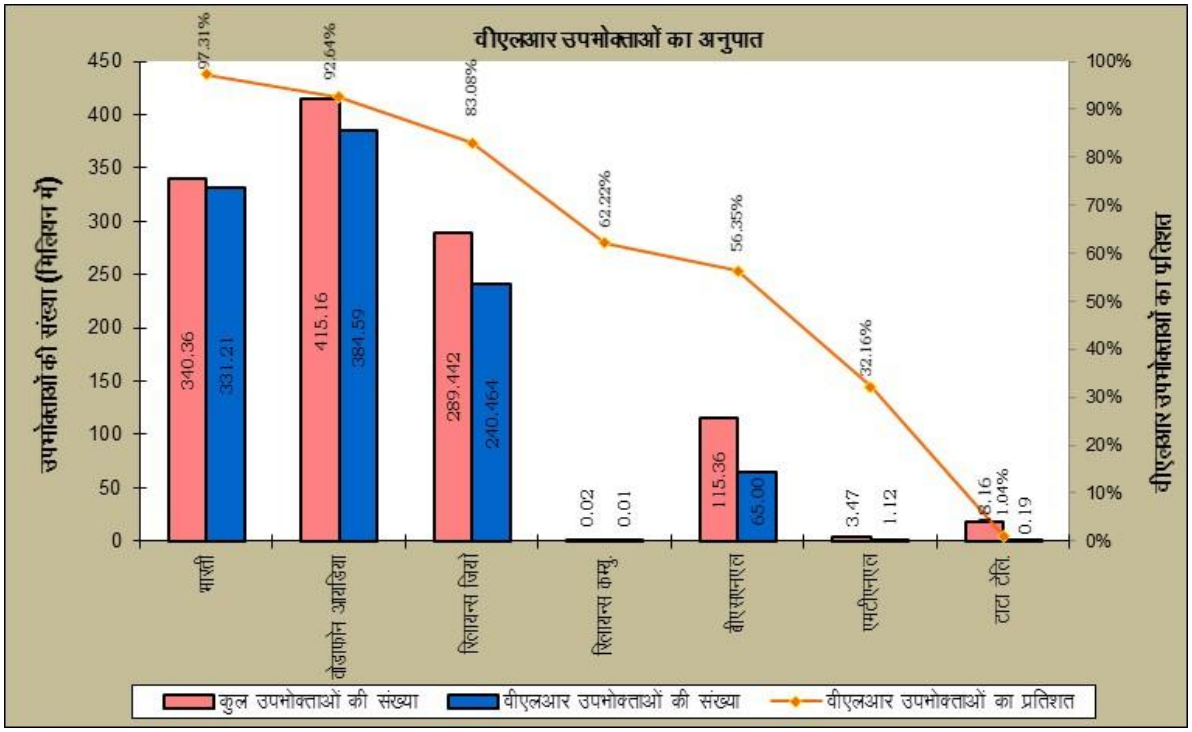

- जनवरी, 2019 माह में भारती एयरटेल का अधिकतम वीएलआर की तिथी में वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात उसके कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 97.31 प्रतिशत है जो कि सभी वायरलेस टेलिफोन सेवा प्रदाताओं में अधिकतम है।

नोटः मेसर्स वोडाफोन एवं मेसर्स आयडिया का आपस में विलय हो गया है और नयी कंपनी मेसर्स वोडाफोन आयडिया लिमिटेड बन गई है।

जनवरी, 2019 माह के दौरान सेवा क्षेत्रवार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

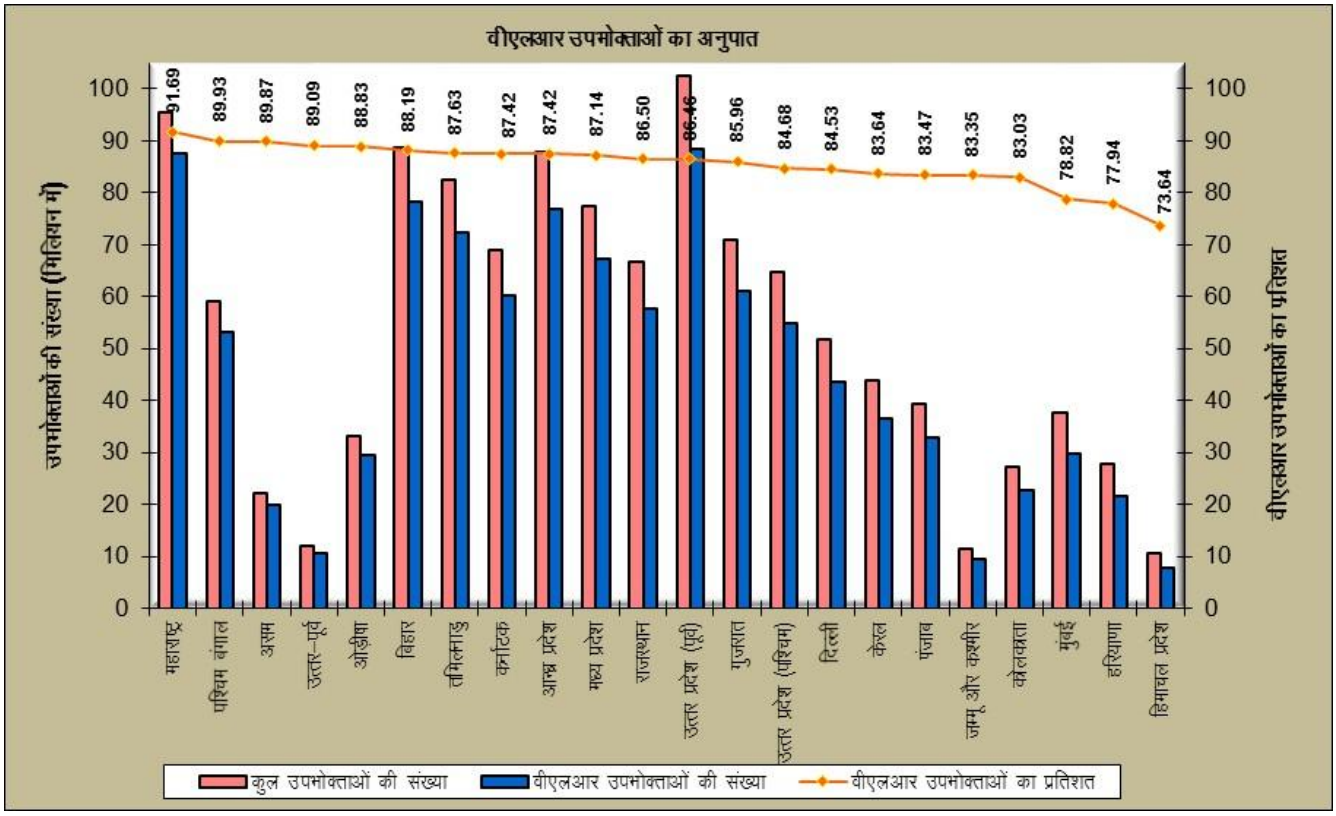

V. वायरलैस उपभोक्ताओं की वृद्धि दर

जनवरी, 2019 माह के दौरान एक्सेस सेवा–प्रदातावार वायरलेस उपभोक्ता आधार में मासिक वृद्धि दर

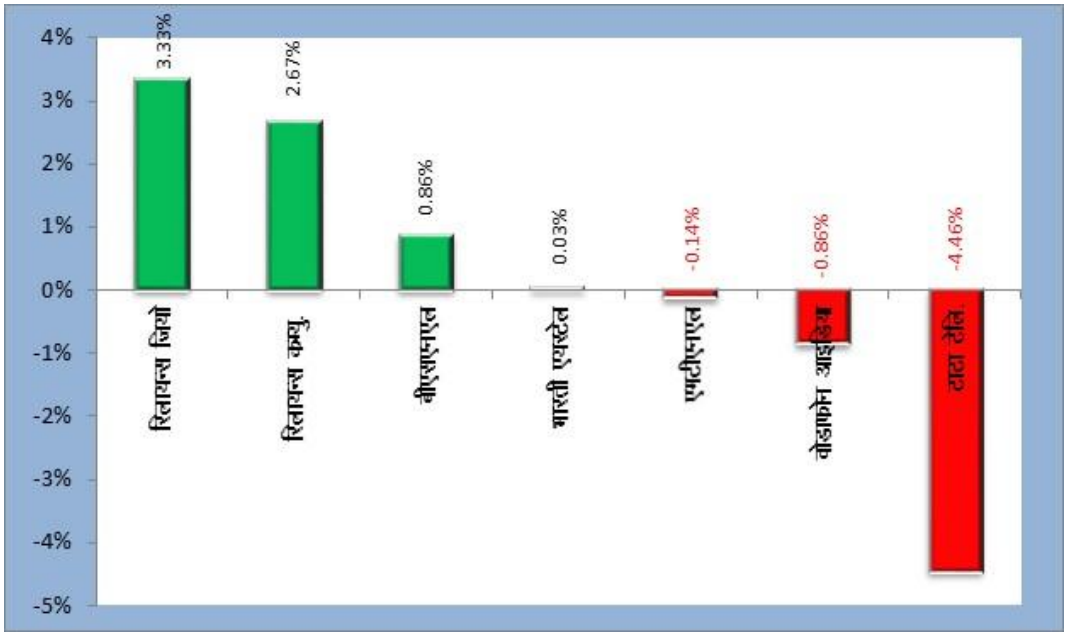

जनवरी, 2019 माह के दौरान सेवा–क्षेत्रवार वायरलेस उपभोक्ता आधार में मासिक वृद्धि दर

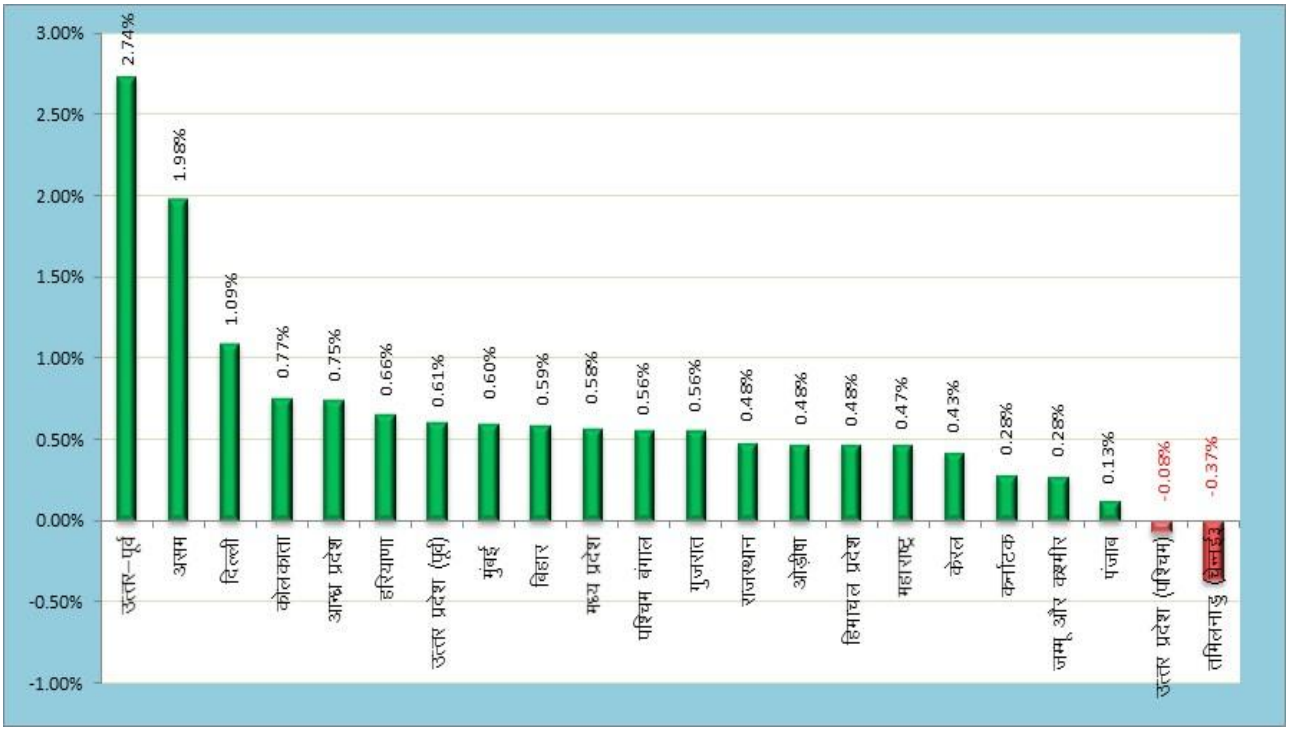

- जनवरी, 2019 के माह के दौरान तमिलनाडु एवं उत्तर प्रदेश (पश्चिम) सेवा क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक निबल कमी दर दर्ज की गई है। इसी माह के दौरान अन्य सभी सेवा क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में निबल वृद्धि दर दर्ज की गई।

VI. मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी)

- अंतःसेवा–क्षेत्रीय मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) को प्रथमतया दिनांक 25.11.2010 से हरियाणा सेवा क्षेत्र में तथा दिनांक 21.01.2011 से देश के अन्य सभी भागों में लागू किया गया था। दिनांक 03.07.2015 से देश में अंतर्सेवा–क्षेत्रीय एमएनपी लागू किया गया है। अब, वायरलैस टेलीफोन उपभोक्ता एक सेवा क्षेत्र से दूसरे सेवा क्षेत्र में विस्थापित होने पर अपना मोबाइल नम्बर यथावत् रख सकते हैं।

- जनवरी, 2019 के माह में कुल 5.84 मिलियन टेलीफोन उपभोक्ताओं से एमएनपी के लिए अनुरोध प्राप्त हुए। इन 5.84 मिलियन अनुरोधों में से 3.17 मिलियन अनुरोध जोन–I से तथा 2.67 मिलियन अनुरोध जोन–II से प्राप्त हुए हैं। इसके साथ ही एमएनपी के आरंभ होने के तिथी से, संचयी एमएनपी अनुरोध दिसंबर, 2018 के अंत तक 411.98 मिलियन से बढ़कर जनवरी, 2019 के अंत तक 417.82 मिलियन हो गया।

- एमएनपी क्षेत्र–I (उत्तरी तथा पश्चिम भारत) में राजस्थान में (लगभग 33.59 मिलियन) सबसे अधिक अनुरोध प्राप्त हुए जिसके बाद महाराष्ट्र में (लगभग 30.01 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं। एमएनपी क्षेत्र–II (दक्षिण तथा पूर्वी भारत) में सबसे अधिक अनुरोध कर्नाटक में (लगभग 39.18 मिलियन) प्राप्त हुए हैं जिसके बाद तमिलनाडु में (लगभग 35.56 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

सेवा क्षेत्र–वार एमएनपी हेतु दर्ज अनुरोध					
जोन–।			जोन–।।		
सेवा क्षेत्र	पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या		सेवा क्षेत्र	पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या	
	दिसंबर, 2018	जनवरी, 2019		दिसंबर, 2018	जनवरी, 2019
दिल्ली	21.18	21.45	आन्ध्र प्रदेश	35.06	35.50
गुजरात	26.96	27.51	असम	3.29	3.32
हरियाणा	14.93	15.18	बिहार	16.01	16.39
हिमाचल प्रदेश	1.99	2.02	कर्नाटक	38.84	39.18
जम्मू और कश्मीर	0.98	1.00	केरल	9.92	10.07
महाराष्ट्र	29.38	30.01	कोलकाता	10.03	10.13
मुंबई	21.45	21.64	मध्य प्रदेश	26.94	27.33
पंजाब	15.69	15.94	उत्तर–पूर्व	1.29	1.30
राजस्थान	33.24	33.59	ओड़ीशा	8.15	8.32
उत्तर प्रदेश–पूर्व	22.51	22.85	तमिलनाडु	35.13	35.56
उत्तर प्रदेश–पश्चिम	18.07	18.36	पश्चिम बंगाल	20.92	21.17
कुल	**206.38**	**209.55**	कुल	**205.60**	**208.27**
कुल (जोन–। + जोन–।।)				**411.98**	**417.82**
जोड़े गए निवल उपभोक्ता (जनवरी, 2019 माह में)					5.84 मिलियन

VII. वायरलाइन उपभोक्ता

- वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या दिसंबर, 2018 के अंत तक 21.87 मिलियन से और घटकर जनवरी, 2019 के अंत तक 21.79 मिलियन हो गया। इस माह में 0.34 प्रतिशत की मासिक ह्रास दर के साथ वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में 0.07 मिलियन की निबल कमी हुई। जनवरी, 2019 के अंत में कुल वायरलाइन उपभोक्ताओं में शहरी तथा ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी क्रमशः 85.86 प्रतिशत तथा 14.14 प्रतिशत रही।

- समग्र वायरलाइन दूरसंचार घनत्व दिसंबर, 2018 के अंत में 1.67 से घटकर जनवरी, 2019 के अंत में 1.66 हो गया। इसी दौरान शहरी तथा ग्रामीण वायरलाइन दूरसंचार घनत्व क्रमशः 4.49 तथा 0.34 रहा।

- जनवरी, 2019 के अंत में दोनों सार्वजनिक क्षेत्रों के सेवा प्रदाताओं यथा बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास वायरलाइन बाजार की 67.02 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या के विस्तृत आंकड़े अनुलग्नक–**III** में उपलब्ध हैं।

- जनवरी, 2019 माह में वायरलाइन क्षेत्र में टेलीफोन सेवा प्रदातावार बाजार की हिस्सेदारी तथा वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जुड़े निवल नये ग्राहकों को नीचे रेखाचित्र में प्रदर्शित किया गया है:–

दिनांक 31 जनवरी, 2019 की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलाइन उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

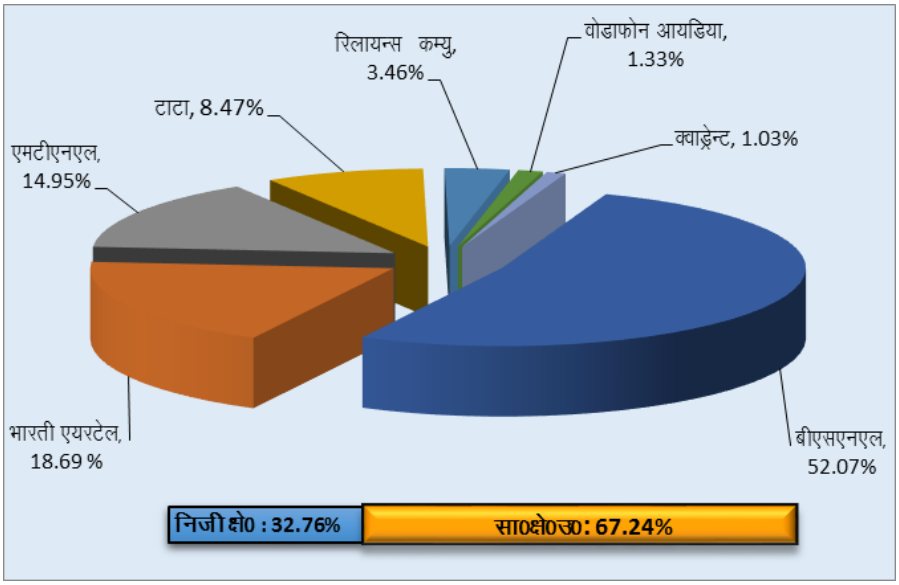

जनवरी, 2019 माह में टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए/कम हुए निबल नए उपभोक्ता

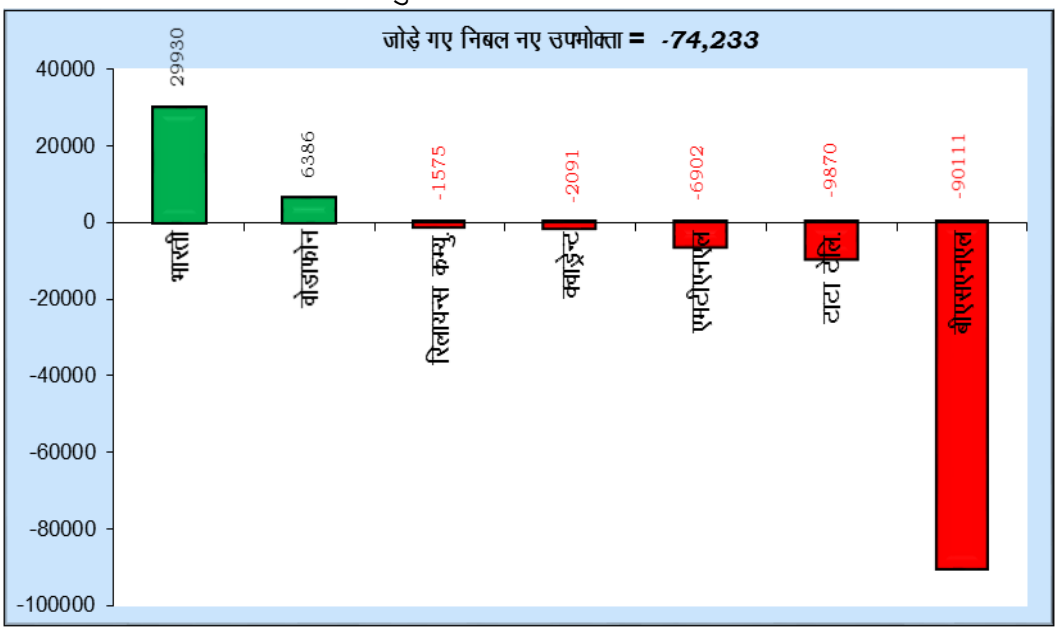

VIII. ब्रॉडबैंड सेवा (512 केबीपीएस अथवा उससे अधिक डाउनलोड स्पीड)

- 308 सेवा प्रदाताओं से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, दिसंबर, 2018 के अंत तक ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या 518.55 मिलियन से बढ़कर जनवरी, 2019 के अंत में 540.04 मिलियन हो गई जिसमें मासिक वृद्धि दर 4.15 प्रतिशत रही। श्रेणीवार ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या तथा उनकी मासिक वृद्धि दर नीचे दी गई है:

ब्रॉडबैंड उपभोक्ता आधार तथा उनकी मासिक वृद्धि दर

विवरण	ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)		जनवरी, 2019 माह में मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत)
	दिनांक 31 दिसंबर, 2018 की स्थिति के अनुसार	दिनांक 31 जनवरी, 2019 की स्थिति के अनुसार	
वायरलाईन ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या	18.17	18.27	0.56%
मोबाइल ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (फोन तथा डॉन्गल)	499.95	521.35	4.28%
फिक्सड वायरलैस ब्रॉडबैंड उपभोक्ता (वाई–फाई, वाई–मैक्स, प्वाईंट–टू –प्वाईंट रेडियो और वीएसएटी)	0.43	0.42	-1.58%
कुल	**518.55**	**540.04**	**4.15%**

- जनवरी, 2019 के अंत तक सबसे बड़े पांच सेवा प्रदाताओं की बाजार हिस्सेदारी कुल ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या का 98.63 प्रतिशत रही। ये सेवा प्रदाता रिलायंस जियो (289.44 मिलियन), भारती एयरटेल (110.25 मिलियन), वोडाफोन आइडिया (109.86 मिलियन), बीएसएनएल (20.81 मिलियन) तथा टाटा टेलि. (2.26 मिलियन) थे।

- ब्रॉडबैंड सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी का रेखाचित्रवार प्रदर्शन आगे किया गया है:

नोट : कुछ वायरलैस सेवा प्रदाता निर्धारित न्यूनतम उपयोग के आधार पर कभी–कभार डाटा सेवा प्राप्त करने वाला डाटा उपयोगकर्ताओं को अपने उपभोक्ताओं की संख्या से पृथक रखते हैं।

दिनांक 31.01.2019 की स्थिति के अनुसार ब्रॉडबैंड (वायरलाईन +वायरलैस) सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी

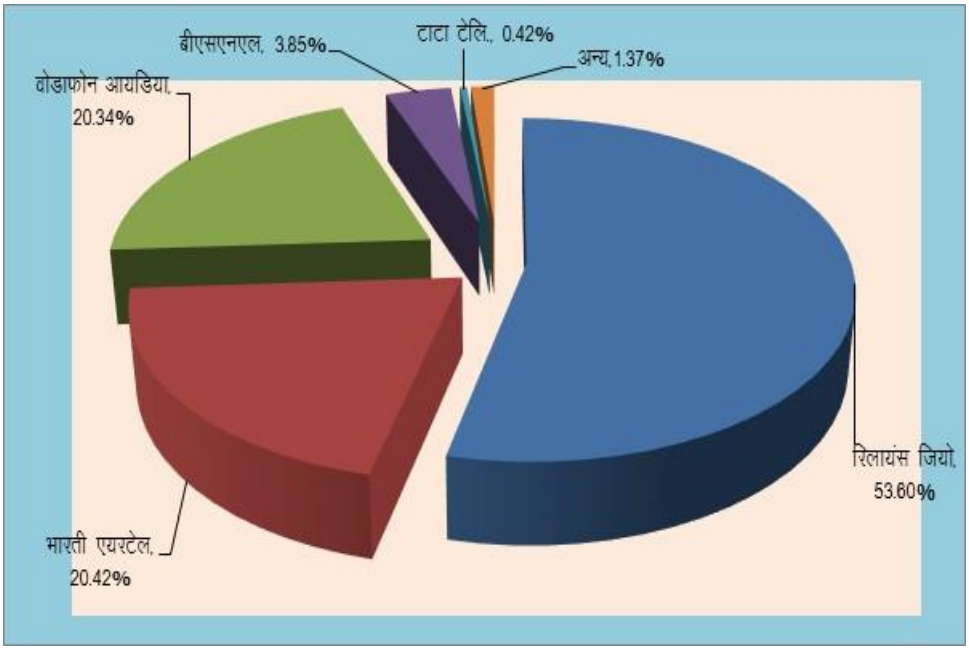

- दिनांक 31 जनवरी, 2019 की स्थिति के अनुसार वायरलाईन सेवा प्रदान करने वाले पॉच सबसे बड़े ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में बीएसएनएल (9.17 मिलियन), भारती एयरटेल (2.30 मिलियन), अत्रिया कन्वर्जेंस टेक्नॉलाजी (1.40 मिलियन), हाथवे केबल एंड डाटाकॉम प्रा0 लि0 (0.79 मिलियन) तथा एमटीएनएल (0.77 मिलियन) थे।

- दिनांक 31 जनवरी, 2019 की स्थिति के अनुसार पॉच सबसे बड़े वायरलेस ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में रिलायंस जियो (289.44 मिलियन), वोडाफोन आइडिया (109.84 मिलियन), भारती एयरटेल (107.96 मिलियन), बीएसएनएल (11.64 मिलियन) तथा टाटा टेलि. (1.79 मिलियन) थे।

किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें

श्री एस. के. मिश्रा, प्रधान सलाहकार (एफएंडईए),
भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण
महानगर दूरसंचार भवन, जवाहरलाल नेहरू मार्ग,
नई दिल्ली–110002
फोन–011–23221856
फैक्स–011–23235249
ई–मेलः skmishra.trai@nic.in

जारी करने के लिए प्राधिकृतः

(एस. के. मिश्रा)
प्रधान सलाहकार (एफएंडईए)

वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–1

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह									
	भारती		रिलायन्स कम्यु.		वोडाफोन आइडिया		टाटा		एमटीएनएल	
	दिसंबर, 2018	जनवरी, 2019	दिसंबर, 2018	जनवरी, 2019	दिसंबर, 2018	जनवरी, 2019	दिसंबर, 2018	जनवरी, 2019	दिसंबर, 2018	जनवरी, 2019
आन्ध्र प्रदेश	29798728	29807948	2298	2304	23144533	22929051	1700765	1648423		
असम	8382180	8384938			5303241	5518973	0	0		
बिहार	39346424	39361605	129	170	23417362	23127009	310450	294711		
दिल्ली	15164364	15167551	3920	3895	19570240	19658629	62435	49263	2220516	2218237
गुजरात	12322135	12326435	314	389	33947738	33661617	884064	829599		
हरियाणा	3812942	3813714	90	142	11247676	11165328	832938	800309		
हिमाचल प्रदेश	3615762	3616874	72	72	1371833	1337270	4291	3896		
जम्मू और कश्मीर	5642025	5643221			1339981	1309305	0	0		
कर्नाटक	27186628	27192232	3155	3165	15923911	15691056	3150454	3058244		
केरल	5131817	5133203	317	372	20404012	20472029	318184	301947		
कोलकाता	6439985	6441769	42	44	9674397	9665258	1083018	1042456		
मध्य प्रदेश	15617229	15622507	589	679	32185390	31943152	1936607	1854267		
महाराष्ट्र	16404201	16411938	923	897	48916041	48571813	1647573	1559214		
मुंबई	8447178	8449084	5427	5527	15776272	15792934	850151	796565	1254382	1251734
उत्तर–पूर्व	5335815	5337377			2067625	2292075	0	0		
ओड़ीशा	13114987	13120578	75	114	5885690	5693390	527842	502418		
पंजाब	10362648	10362767	137	190	11494406	11173160	891419	857321		
राजस्थान	23357048	23365992	243	302	18751708	18566894	123990	115754		
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	25771495	25772389	3390	3335	25332666	24652288	1511988	1384014		
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	32724449	32740803	624	671	36564291	36407320	1765487	1706137		
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	13772831	13773562	60	65	29513753	28832961	1365337	1317673		
पश्चिम बंगाल	18508444	18516217	333	396	26912269	26696504	38546	35403		
कुल	**340259315**	**340362704**	**22138**	**22729**	**418745035**	**415158016**	**19005539**	**18157614**	**3474898**	**3469971**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निबल संख्या		103389		591		-3587019		-847925		-4927
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	*168632566*	*163121778*	*0*	*0*	*220709247*	*218676421*	*2577837*	*2451905*	*46409*	*46361*

वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–1 (निरंतर)

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह								
	बीएसएनएल		बीएसएनएल (वीएनओ)		रिलायंस जियो		कुल		निबल मासिक वृद्धि / कमी
	दिसंबर, 2018	जनवरी, 2019	दिसंबर, 2018	जनवरी, 2019	दिसंबर, 2018	जनवरी, 2019	दिसंबर, 2018	जनवरी, 2019	
आन्ध्र प्रदेश	10145072	10176735			22422936	23301106	87214332	87865567	651235
असम	2418559	2418559			5639950	5852380	21743930	22174850	430920
बिहार	4890882	5092654			20119506	20729722	88084753	88605871	521118
दिल्ली					14108953	14591593	51130428	51689168	558740
गुजरात	5775864	5848936			17720545	18379190	70650660	71046166	395506
हरियाणा	4904904	4908887			6880952	7174884	27679502	27863264	183762
हिमाचल प्रदेश	2767116	2786927			2744696	2808843	10503770	10553882	50112
जम्मू और कश्मीर	1214265	1229353			3309640	3356333	11505911	11538212	32301
कर्नाटक	7101238	7143153			15258054	15730664	68623440	68818514	195074
केरल	10850884	10848994			6942760	7077438	43647974	43833983	186009
कोलकाता	1792484	1845008			8072806	8275299	27062732	27269834	207102
मध्य प्रदेश	6119647	6141456			21044892	21785141	76904354	77347202	442848
महाराष्ट्र	6907764	7018169			21132249	21896059	95008751	95458090	449339
मुंबई					11209409	11472206	37542819	37768050	225231
उत्तर–पूर्व	1642752	1656268			2622832	2702898	11669024	11988618	319594
ओड़ीशा	5527595	5549614			8078892	8427506	33135081	33293620	158539
पंजाब	5335427	5417523			11234533	11557594	39318570	39368555	49985
राजस्थान	5694204	5749143			18458434	18907200	66385627	66705285	319658
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	11879836	11912285	29804	33835	18221611	18684577	82750790	82442723	-308067
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	11820748	11911552			18914302	19645090	101789901	102411573	621672
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	5923283	5956749			14177099	14822507	64752363	64703517	-48846
पश्चिम बंगाल	1630129	1713338			11802717	12263311	58892438	59225169	332731
कुल	**114342653**	**115325303**	**29804**	**33835**	**280117768**	**289441541**	**1175997150**	**1181971713**	**5974563**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निवल संख्या		982650		4031		9323773	0	5974563	
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	*36044189*	*36389567*	*0*	*0*	*100467784*	*107087183*	528478032	527773215	*-704817*

अनुलग्नक–**II**

जनवरी, 2019 के माह के दौरान अधिकतम वीएलआर की तिथि को वीएलआर का अनुपात (प्रतिशत में)

सेवा क्षेत्र	भारती	बीएसएनएल	वोडाफोन आइडिया	एमटीएनएल	रिलायन्स कम्यु.	रिलायन्स जियो	टाटा टेलि.	कुल
आन्ध्र प्रदेश	98.34	67.22	95.69		62.07	80.29	0.62	**87.42**
असम	96.43	63.72	91.72			89.55		**89.87**
बिहार	89.43	52.92	90.37		64.12	93.32	0.14	**88.19**
दिल्ली	94.42		90.37	21.85	62.26	76.09	30.19	**84.53**
गुजरात	97.79	46.83	94.89		61.44	78.01	0.04	**85.96**
हरियाणा	120.26	33.28	96.53		62.00	65.71	0.61	**77.94**
हिमाचल प्रदेश	89.27	44.05	97.44		62.00	71.62	1.00	**73.64**
जम्मू और कश्मीर	90.25	70.37	87.24		-	74.99		**83.35**
कर्नाटक	104.39	61.70	94.77		63.22	79.35	0.52	**87.42**
केरल	104.20	63.25	95.02		62.00	70.45	4.74	**83.64**
कोलकाता	103.80	52.38	90.66		68.18	74.39	6.85	**83.03**
मध्य प्रदेश	101.01	52.86	89.73		63.33	90.42	0.55	**87.14**
महाराष्ट्र	98.28	55.03	97.32		62.43	92.51	0.60	**91.69**
मुंबई	90.99		78.53	50.44	62.00	78.70	1.80	**78.82**
उत्तर–पूर्व	96.27	72.79	87.48		-	86.28		**89.09**
ओड़ीशा	95.78	73.56	92.59		62.00	90.80	0.45	**88.83**
पंजाब	103.82	47.48	95.33		62.00	76.80	0.10	**83.47**
राजस्थान	92.33	45.95	95.01		62.00	83.80	0.54	**86.50**
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	100.23	69.60	95.98		61.47	77.18	1.00	**87.63**
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	99.88	44.09	89.64		62.00	91.39	0.13	**86.46**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	100.62	42.60	90.99		62.00	82.03	0.24	**84.68**
पश्चिम बंगाल	91.19	88.11	90.77		62.00	86.73	0.99	**89.93**
कुल	**97.31**	**56.35**	**92.64**	**32.16**	**62.22**	**83.08**	**1.04**	**86.51**

नोट : इनरोमर्स की बड़ी संख्या के कारण कुछ सेवा प्रदाताओं के कुछ सेवा क्षेत्रों में अधिकतम वीएलआर आंकड़े, एचएलआर आकड़ों से अधिक हैं।

वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–**III**

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह														कुल संख्या		कुल मासिक योग /ह्रास
	बीएसएनएल		एमटीएनएल		भारती		रिलायन्स कम्यु.		टाटा		क्वाडेंट		वोडाफोन				
	दिसंबर, 2018	जनवरी, 2019	दिसंबर, 2018	जनवरी, 2019	दिसंबर, 2018	जनवरी, 2019	दिसंबर, 2018	जनवरी, 2019	दिसंबर, 2018	जनवरी, 2019	दिसंबर, 2018	जनवरी, 2019	दिसंबर, 2018	जनवरी, 2019	दिसंबर, 2018	जनवरी, 2019	
आन्ध्र प्रदेश	998736	985688			174826	178463	46869	48015	174471	175062			34580	36370	1429482	1423598	-5884
असम	116309	114500											2820	2850	119129	117350	-1779
बिहार	222513	219952					3540	3216	8410	8441			1770	1800	236233	233409	-2824
दिल्ली			1490886	1488195	1382801	1395738	124216	123031	154349	154808			51070	51960	3203322	3213732	10410
गुजरात	1008211	1007977			82520	83094	20620	20154	89660	88036			20539	20749	1221550	1220010	-1540
हरियाणा	220020	212772			22800	22958	2894	2743	36258	36043			150	180	282122	274696	-7426
हिमाचल प्रदेश	113046	111438					3035	2916	1831	1890			60	60	117972	116304	-1668
जम्मू और कश्मीर	105329	102887													105329	102887	-2442
कर्नाटक	1039637	1036552			671236	675757	140110	139345	274109	274652			42475	43465	2167567	2169771	2204
केरल	1809217	1801919			59997	60149	17170	17171	19413	19374			2550	2910	1908347	1901523	-6824
कोलकाता	500573	495473			126895	127551	39764	40049	52749	52914			8390	8810	728371	724797	-3574
मध्य प्रदेश	656076	654871			242111	242481	10724	10896	15770	15207			870	1020	925551	924475	-1076
महाराष्ट्र	1123163	1106754			88787	90162	49324	48214	289655	286037			18343	18552	1569272	1549719	-19553
मुंबई			1773866	1769655	363306	366209	179535	178454	571166	565439			53050	53627	2940923	2933384	-7539
उत्तर–पूर्व	106397	104216											270	270	106667	104486	-2181
ओड़ीषा	225488	224438					2520	2462	7463	7868			2160	2160	237631	236928	-703
पंजाब	411522	405325			128549	129519	10571	11938	14096	13562	227164	225073	1620	1680	793522	787097	-6425
राजस्थान	451088	445926			53518	54091	20999	21177	12273	11895			7320	7320	545198	540409	-4789
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	1456658	1451353			555593	556213	72696	72331	118701	119331			18675	19135	2222323	2218363	-3960
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	358611	358261			66088	66481	6174	7093	8215	8186			11840	11870	450928	451891	963
उत्तर प्रदेश (पष्चिम)	273129	269112			23323	23414	3749	3702	5342	5303			3990	4140	309533	305671	-3862
पश्चिम बंगाल	242995	239193					1694	1722	2410	2423			120	120	247219	243458	-3761
कुल	**11438718**	**11348607**	**3264752**	**3257850**	**4042350**	**4072280**	**756204**	**754629**	**1856341**	**1846471**	**227164**	**225073**	**282662**	**289048**	**21868191**	**21793958**	**-74233**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निवल संख्या		-90111		-6902		29930		-1575		-9870		-2091		6386		-74233	
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	3010972	2983421	0	0	0	0	1484	1476	51351	50699	46879	46307	0	0	3110686	3081903	-28783

अनुलग्नक–**IV**

वायरलैस क्षेत्र में वीएलआर उपभोक्ता

होम लोकेशन रजिस्टर (एचएलआर) एक केन्द्रीयकृत डाटाबेस है जिसमें प्रत्येक मोबाइल फोन उपभोक्ताओं की संख्या का ब्योरा अंतर्विष्ट होता है जो कि जीएसएम मुख्य नेटवर्क उपयोग करने के लिए प्राधिकृत है। एचएलआर में सेवा प्रदाता द्वारा जारी प्रत्येक सिम कार्ड का ब्यौरा रखा जाता है। प्रत्येक सिम की एक विशिष्ट पहचान होती है जिसे अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल पहचान (आईएमएसआई) कहते हैं, जोकि प्रत्येक एचएलआर रिकार्ड की प्राथमिक कुंजी होता है। एचएलआर डॉटा को तब तक सुरक्षित रखा जाता है जब तक उपभोक्ता, सेवा प्रदाता के साथ जुड़ा रहता है। एचएलआर प्रशासनिक क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की स्थिति को अद्यतन कर उपभोक्ताओं के अंतरण का भी प्रबंधन करता है। यह विजिटर अवस्थिति रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ता का डाटा भेजता है।

उपभोक्ताओं की संख्या के बारे में सेवा प्रदाता द्वारा दी गई संख्या, सेवा प्रदाता के एचएलआर में पंजीकृत आईएमएसआई की संख्या तथा नीचे दिए गए अन्य आंकड़ों का जोड़ हैः–

1.	एचएलआर में कुल आईएमएसआई (ए)
2.	घटाः (बी=क+ख+ग+घ+ङ)
क.	जांच/सेवा कार्ड
ख.	कर्मचारी
ग.	हस्तगत स्टॉक/संवितरण चेनल (एक्टिव कार्ड)
घ.	उपभोक्ताओं को बनाए रखने की अवधि की समाप्ति
ङ	कनेक्शन को बंद किए जाने के दौरान सेवा समाप्ति
3.	उपभोक्ताओं की संख्या (ए – बी)

विजिटर लोकेशन रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ताओं का एक अस्थायी डाटाबेस होता है जिन्होंने किसी सेवा प्रदाता के सेवा क्षेत्र के विशिष्ट क्षेत्र में दौरा (रोम–इन) किया है। नेटवर्क में प्रत्येक बेस स्टेशन को केवल एक वीएलआर द्वारा सेवा प्रदान की जाती है। इसलिए, कोई उपभोक्ता एक समय में एक से अधिक वीएलआर में मौजूद नहीं रह सकता है।

यदि उपभोक्ता सक्रिय अवस्था में है अर्थात् वह कॉल करने/प्राप्त करने/एसएमएस भेजने/प्राप्त करने में सक्षम है, तो वह एचएलआर तथा वीएलआर में उपलब्ध है। तथापि, यह संभव है कि उपभोक्ता ने फोन बंद कर रखा हो अथवा वह कवरेज क्षेत्र से बाहर चला गया हो, पहुंच क्षेत्र से बाहर हो तथा इस कारण वह एचएलआर में पंजीकृत हो तथा वीएलआर में पंजीकृत नहीं हो। ऐसी परिस्थितियों में वह एचएलआर में उपस्थित होगा वीएलआर में नहीं। इससे सेवा प्रदाताओं द्वारा संसूचित उपभोक्ताओं की संख्या तथा वीएलआर में उपलब्ध संख्या के बीच अंतर आ जाता है।

यहां परिकलित वीएलआर डॉटा, जिस विशिष्ट माह के लिए आंकड़ों को संग्रहित किया जा रहा है, उसके लिए अधिकतम वीएलआर की तिथि पर वीएलआर में सक्रिय उपभोक्ताओं के आधार पर परिकलित किया जाता है। यह डाटा ऐसे स्विचों से लिये जाने होते हैं जिनका 72 घंटों से अधिक का 'पर्ज टाइम' (डाटा समाप्ति का समय) न हो।

———————